जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 27 संख्याः 18 प्रभात अजमेर, बुधवार 17 अगस्त, 2022 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

*विशालकाय और बेहद गतिशील परभक्षी भी दक्षिण अमेरिका के सिकुड़ते जंगलों के दुष्प्रभाव से अछूते नहीं हैं। संकटग्रस्त ब्लैक एंड चैस्टनट ईगल तेजी से विखंडित हो रहे अपने प्राकृतिक आवास और निरन्तर बढ़ रहे इंसानी खतरों के बीच सरवाइव करने के लिए अपने व्यवहार में परिवर्तन कर रहे हैं। ग्लोबल इकॉलजी एण्ड कंज़र्वेशन जर्नल में छपे एक नए शोध में पाया गया है कि इस परभक्षी ने सफलतापूर्वक एण्डिअन पहाड़ियों के सिकुड़ते ट्रॉपिकल और सब ट्रॉपिकल जंगल से अनुकूलन कर लिया है, लेकिन यदि वनों का घटना इसी प्रकार जारी रहा तो इन्हें विलुप्ति के खतरे सामना करना पड़ सकता है। वर्ष 2015 और 2020 के बीच शोधकर्ताओं ने कोलम्बिया व अर्जेन्टीना में 8 ईगल्स को टैग किया। वे समझना चाहते थे कि ये ईगल शिकार कैसे करते हैं और नष्ट हो रहे फॉरैस्ट इकोसिस्टम में कैसे भ्रमण करते हैं। शोध के सहलेखक और अर्जेन्टीना की नैशनल युनिवर्सिटी के प्रोफेसर मैनुअल ग्रांडे ने कहा, ''ये ईगल्स हैं इसलिए हम जानते हैं कि ये लम्बी दूरी तक उड़ सकते हैं, लेकिन दूसरी तरफ यह एक जंगली प्रजाति है इसलिए हमें निश्चित नहीं था कि ये विखंडित जंगल के बीच उड़ सकेंगे या नहीं।'' एण्डिअन फॉरैस्ट के इकोसिस्टम का तेजी से विनाश हो रहा है और यह अमेरिकाज़ का सर्वाधिक संकटग्रस्त इकोसिस्टम है, विशेष रुप से पहाड़ी की तलहटी का भाग। कोलम्बिया और अर्जेन्टीना, जहां यह शोध हुआ है, में 50,000 वर्ग किलोमीटर से भी कम जंगल बचा है। शोध कहता है कि, जंगल का ऐसा भाग, जहां पहुंचना मुश्किल है, केवल वही बचा हुआ है। यह भाग पर्वत श्रृंखलाओं की ढलानों पर है। जबकि अन्य भाग इंसानी आबादी से घिरे हुए हैं जो अपने मवेशियों और खेतों की खातिर प्रायः जानवरों को मार देते हैं। कोलम्बिया में किसान ईगल्स को गोली मार देते हैं क्योंकि ये पक्षी उनकी मुर्गियों को ले जाते हैं। लेकिन ईगल तब ही ऐसा करते हैं, जब जंगल में पर्याप्त भोजन नहीं मिलता। शोध के मुख्य लेखक सैंटिआगो ज़ुलूआगा ने कहा कि, आवास विनाश का सबसे बड़ा प्रभाव होता है जंगल में पर्याप्त भोजन नहीं मिलना। कोलम्बिया, इक्वडोर, बोलीविया, पेरु, वैनेज़ुएला और अर्जेन्टीना में ईगल सर्वोच्च परभक्षी हैं और इनकी विलुप्ति से वहां के जंगल का इकोसिस्टम नष्ट हो सकता है क्योंकि ये बंदरों और चूहों की आबादी पर नियंत्रत रखते हैं। ब्लैक एण्ड चैस्टनट ईगल को आई.यू.सी.एन. की रैड लिस्ट में ''एन्डेन्जर्ड'' करार दिया गया है। इसकी आबादी में 1000 से भी कम वयस्क पक्षी हैं।*

# भारत के विरोध के बावजूद भी चीन का ''स्पाय शिप'' श्रीलंका में डटा

## भारतीय उपमहाद्वीप में भौगोलिक राजनैतिक स्थिति घोर अनिश्चितता के दौर में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अगस्त। भारतीय उपमहाद्वीप में भौगोलिक राजनैतिक स्थिति बेहद अनिश्चित चरण में प्रवेश कर रही है।

चीन का एक स्पाय शिप (जिसके दोहरे उपयोग हैं) भारत के कड़े विरोध के बाद भी श्रीलंका के हकबान्टोटा बंदरगाह पर खड़ा है। यह स्पाय शिप सैटलाइट संवाद को ट्रैक कर सकता है और सुन भी सकता है जो भारत के सुरक्षा और आर्थिक हितों के लिए खतरा हो सकता हैं।

इधर भारत भी अमेरिका के साथ बेहद उच्चस्तरीय सैन्य सहयोग कर रहा है, जिससे चीन नाराज़ है। भारत उत्तराखंड में चीन की सीमा पर अमेरिका के साथ सैन्य अभ्यास करेगा। यह पहली बार है जब भारत किसी अन्य देश के साथ इतनी ऊंचाई पर सैन्य अभ्यास करेगा।

इसके अलावा भारत अपनी सीमा चौकियां बेहतर एक आधुनिक हथियारों के सुसज्जित कर रहा है ताकि भारतीय सेना की मारक क्षमता बढ़ सके।

- **चीन के इस कदम को, उत्तराखण्ड में भारत-अमेरिका युद्धाभ्यास पर चीन की नाराजगी का प्रदर्शन बताया जा रहा है।**
- **गौरतलब है कि, श्रीलंका के हमबान्टोटा बंदरगाह पर चीन का स्पाय शिप तैनात है, यह विशालकाय बंदरगाह चीन ने ही बनाया था और श्रीलंका चूंकि चीन का कर्ज़ अदा नहीं कर सका इसलिए चीन ने बंदरगाह को 99 साल की लीज़ पर हथिया लिया है।**
- **अमेरिकन गुप्तचर एजेंसियों के अनुसार यह ''स्पाय शिप'', जिसे चीन साइन्टिफिक रिसर्च शिप बता रहा है, सैटेलाइट संचार को ट्रैक कर सकता है और सुन सकता है, इसलिए यह भारत के हितों के खिलाफ है।**

एक सप्ताह चले चीनी जहाज श्रीलंका के बंदरगाह के लिए रवाना हुआ था तब भारत ने इसे अनुमति देने के लिए श्रीलंका के समक्ष विरोध दर्ज करवाया था। इसके बाद श्रीलंका सरकार ने कोलम्बो के चीन के राजदूत से बात की और आग्रह किया इस पर विचार विमर्श होने तक जहाज का आना रोक दिया जाए।

चीन ने दावा किया कि यह वैज्ञानिक रिसर्च का जहाज है और जासूसी नहीं कर सकता है और ना ही ऐसे किसी मिशन पर है। इस शिप का नाम है युआन वांग 5 और चीन द्वारा विकसित नवीनतम बहुद्देशीय जहाज है

अमेरिकी की इंडोपैसिफिक कमांड की गुप्तचर रिपोर्ट है कि शिप पी.एल.ए. (पीपुल्स लिबरेशन आर्मी) की स्ट्रेटजिक सपोर्ट फोर्स के मातहत काम कर रहा है।

गुप्तचर रिपोर्ट के अनुसार, ''स्ट्रैटजिक सपोर्ट फोर्स (एस.एस.एल.) एक थेटर कमांड स्तर का संगठन है जिसकी स्थापना पी.एल. ए. के स्ट्रैटजिक स्पेस, साइबर, इलैक्ट्रॉनिक, सूचना संचार और मनोवैज्ञानिक मिशन व क्षमताओं को केन्द्रीकृत करने के लिए किया गया था।'' यू. एस. रिपोर्ट कहती है कि एस.एस.एफ. युआन वांग स्पेस सपोर्ट शिप को भी ऑपरेट करता है जो कि सैटलाइट और इन्टरकॉन्टीनैंटल बैलस्टिक मिसाइल (आई.सी.बी.एम.) लॉन्च को ट्रैक करता है श्रीलंका के आग्रह के बाद भी शिप श्रीलंका भेजने की चीन की जिद यह दर्शाती है कि अपने हित के लिए चीन की श्रीलंका पर कितना मजबूत पकड़ हैं। चीन पहले ही

(शेष पृष्ठ 5 पर)

## एस.आई. दक्षता परीक्षा

जयपुर, 16 अगस्त (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती-2021 की शारीरिक दक्षता परीक्षा से जुड़े मामले में दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह ने यह आदेश मंगलवार को जुगल किशोर व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में कहा कि उन्होंने एसआई भर्ती की लिखित परीक्षा में सफल होने

- **पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती-2021 की शारीरिक क्षमता परीक्षा के संबंध में दायर याचिकाएं हाई कोर्ट ने खारिज कीं।**

के बाद शारीरिक दक्षता परीक्षा दी थी, लेकिन वहीं 11 अप्रैल को आए शारीरिक दक्षता परिणाम में उन्हें चिनअप व लंबी कूद में कम अंक देकर असफल घोषित कर दिया, जबकि उन्होंने इसे तय समय में पूरा किया था। याचिका में कहा कि उन्होंने शारीरिक दक्षता परीक्षा की दौड़ सही समय में पूरी की थी, लेकिन उनके पैर में लगे इलेक्ट्रॉनिक चिप ने दौड़ का समय कम बताया। परीक्षा के दौरान वीडियोग्राफी हुई थी, लिहाजा अदालत वीडियोग्राफी व चिप मंगवाकर मामले की जांच

(शेष पृष्ठ 5 पर)

# कर्नाटक में सांप्रदायिक भावनाओं पर लड़ा जाएगा आगामी चुनाव

## राज्य में एक के बाद एक ऐसी घटनाएं हो रही हैं, जिन्हें साम्प्रदायिकता का रंग दिया जा रहा है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अगस्त। कर्नाटक में चुनाव की तैयारियाँ पूरे ज़ोरों पर हैं। दोनों प्रतिद्वंदी दल- सत्तारूढ़ भाजपा तथा विपक्षी कांग्रेस हर संभव अवसर पर सक्रिय दिखाई देती हैं। इसलिये स्वतंत्रता दिवस भी इसका अपवाद नहीं रहा। अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों के दौर में, दोनों पार्टियों ने इस राष्ट्रीय पर्व का उपयोग भी अपनी-अपनी ताकत दिखाने के लिये किया।

कर्नाटक, जो सत्तारूढ़ भाजपा के लिये दक्षिण भारत का प्रवेश-द्वार है, को लेकर भाजपा के दावे बहुत ऊँचे हैं। भाजपा के लिये कर्नाटक ऐसी घटनाओं का साक्षी रहा है, जो धार्मिक भावनाओं को भड़का सकती हैं। अब, शिवामोगा कस्बे में कुछ एक्टिविस्टों द्वारा सावरकर के चित्र को लेकर हुए विवाद ने हिंसक टकराव का रूप ले लिया, जिसके शीघ्र ही साम्प्रदायिक रंग ले लेने का खतरा पैदा हो गया।

कुछ लोगों ने सावरकर के चित्रों तथा बैनरों को हटाने तथा उनके स्थान पर टीपू सुल्तान के चित्र लगाने की कोशिश की, जिसके बाद लोगों के दो ग्रुपों के बीच संघर्ष शुरू होगा। इसके बाद, कस्बे में कर्फ्यू तथा धारा 144 लगा दी गई।

- **हाल ही में शिवमोगा जिले में सावरकर की तस्वीर हटाने की घटना पर हुआ तनाव भी साम्प्रदायिक रूप ले सकता है।**
- **इससे पहले हिजाब को लेकर हुए विवाद ने भी लोगों को साम्प्रदायिकता के आधार पर बांटने का प्रयास किया।**

संघर्ष में दो लोगों को छुरों से घायल कर दिया गया। इस सिलसिले में, चार लोग गिरफ्तार कर लिये गये हैं। अस्पताल के सूत्रों को उद्धृत करते हुये, पुलिस ने कहा कि जख्मी हुये दोनों लोग खतरे से बाहर हैं। गिरफ्तार किये गये चार लोगों की पहचान नदीम (25), अब्दुल रहमान (25), तनवीर तथा जबीउल्लाह के रूप में की गई है।

प्रसंगवश बता दें कि कुछ दिन पहले, दक्षिण कन्नड़ में भाजपा की युवा शाखा के एक ऐक्टिविस्ट का कत्ल कर दिया गया था, जिसके बाद, मुख्यमंत्री बी. बासवराज अपनी पार्टी के लोगों तथा हिन्दू संगठनों के जबरदस्त दबाव में आ गये। पार्टीजनों तथा इन संगठनों का कहना है कि मुख्यमंत्री अपनी पार्टी के लोगों की रक्षा करने में विफल हैं।

राजनैतिक विश्लेषक इन घटनाओं को ऐसे संभावित राजनैतिक साधन के रूप में देख रहे हैं, जिसका उपयोग हिन्दू वोटों को एकजुट करने के लिये किया जा सकता है, ठीक वैसे ही, जैसे कुछ महीनों पहले, कर्नाटक में ही पैदा हुये हिजाब विवाद ने बहुत दूर स्थित उत्तर-प्रदेश में इसी प्रकार हिन्दू एकजुटता में अपना योगदान दिया था। ज्ञातव्य है कि

(शेष पृष्ठ 5 पर)

## एक्स.ई.एन. को सजा

जयपुर, 16 अगस्त (का.सं.)। ए.सी.बी. मामलों की विशेष अदालत, क्रम-3 ने राजस्थान अरबन इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमैंट प्रोजेक्ट के तत्कालीन एक्स.ई.एन. अनिल कुमार जैन को तीन साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से

- **ए.सी.बी. मामलों की विशेष अदालत ने रिश्वत के आरोपी एक्स.ई.एन. को 2007 के मामले में तीन साल की सजा सुनाई।**

अदालत को बताया गया कि, मामले में परिवादी ओम शिवहरि चाहर ने अक्टूबर 2007 को एसीबी में शिकायत दर्ज कराई थी।

जिसमें कहा गया था कि उसकी एनजीओ ने शहर के कुछ सरकारी कॉलेजों में रेन वॉटर हार्वेस्टिंग प्रोजेक्ट का ठेका ले रखा है। जिसका बिल पास करने की एवज में अभियुक्त दो फीसदी कमीशन लेता है।

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए एसीबी ने अभियुक्त को 11 हजार रुपए लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

# क्या नीतीश कुमार से डर रही है भाजपा?

## दिल्ली से लेकर बिहार तक ''काउन्टर नीतीश'' मुहिम में जुटी भगवा पार्टी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अगस्त। नीतीश कुमार के संभावावित राजनीतिक कदमों का प्रत्युत्तर देने हेतु जवाबी रणनीति बनाने के लिए बिहार भाजपा कोर कमेटी के सदस्यों ने मंगलवार को नई दिल्ली

- **बताया जा रहा है कि, भाजपा से अलग होने का नीतीश का फैसला देश भर में असर डालेगा और गैर भाजपा शासित राज्यों में भाजपा का विरोध और तेज हो जाएगा।**

में वरिष्ठ पार्टी नेताओं के साथ गंभीर विचार -विमर्श किया। क्योंकि नीतीश द्वारा भविष्य में उठाए जाने वाले कदमों से 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की चुनावी संभावनाएं प्रभावित

(शेष पृष्ठ 5 पर)

## भारतीय फुटबॉल महासंघ निलंबित

ज़्यूरिख, 16 अगस्त (वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा) ने भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को इस आरोप के साथ मंगलवार को निलंबित कर दिया कि वह तीसरे पक्ष के 'अनुचित प्रभाव में' काम कर रहा है। फीफा ने यहां जारी बयान में कहा कि फीफा परिषद के ब्यूरो ने

- **फीफा ने भारतीय फुटबॉल महासंघ को निलंबित किया व आरोप लगाया कि भारतीय फुटबॉल महासंघ तीसरे पक्ष के दबाव में काम कर रहा है।**

एआईएफएफ को तीसरे पक्ष के अनुचित दबाव के तहत काम करने के आरोपों के कारण सर्वसम्मति तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्णय लिया है। एआईएफएफ का यह कदम फीफा के नियमों का गंभीर उल्लंघन है। फीफा ने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

# एपल ने कर्मचारियों की छंटनी की, गूगल ने नोटिस दिया

## क्या यह लगातार दूसरी तिमाही में अमेरिका की इकॉनमी गिरने का नतीजा है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अगस्त। अमेरिका अधिकारिक रूप से यह नहीं मान रहा है कि उसकी अर्थव्यवस्था में मंदी आ गई है। वह अपने कॉमर्स डिपार्टमैंट के उन डेटा की अनदेखी कर रहा है जो यह दर्शा रहे हैं कि अर्थव्यवस्था दो लगातार तिमाहियों में कमजोर रही है, लेकिन क्या वह जमीनी सच्चाई के प्रति आंखें मूंद सकता है?

वास्तविकता यह है कि आर्थिक परेशानियों के कारण ''गूगल' के अपने कर्मचारियों को छंटनी की चेतावनी देने के बाद एक अन्य तकनीकी दिग्गज एपल कम्पनी ने संविदा पर लगे अपने कर्मचारियों की पिछले हफ्ते छंटनी कर दी।

- **विश्व की सबसे बहु मूल्य कम्पनी एपल ने असाधारण कदम उठाते हुए 100 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया, इससे पहले गूगल ने भी वित्तीय कारणों से कर्मचारियों को छंटनी की चेतावनी दी।**
- **गूगल और एपल ही नहीं, फेसबुक और ट्विटर ने भी ऐसे ही संकेत दिए हैं।**
- **अमेरिका की अर्थव्यवस्था वास्तव में मंदी की राह पर है, लेकिन अमेरिकी सरकार अधिकृत रूप से इसे स्वीकार करने से इंकार कर रही है और ज़मीनी हकीकत पर आंखें मूंदे हुए है।**

दुनिया की इस सर्वाधिक बहुमूल्य कम्पनी ने एक असाधारण कदम उठाकर अपने करीब 100 संविदा कर्मियों को नौकरी से निकाल दिया। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट कहती है कि एपल के नियोक्ताओं ने ही नए कर्मचारियों की भर्ती की थी और अब उनकी छंटनी यह रेखांकित करती है कि कम्पनी में आर्थिक मंदी की स्थिति है।

छंटनी किए गए कर्मचारियों को बताया गया कि एपल की वर्तमान कारोबारी आवश्यकताओं में आए बदलाव की वजह से ऐसा करना पड़ा।

एपल के अर्निंग कॉन्फ्रैंस कॉल के दौरान उसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी टिम कुक ने पुष्टि की कि कम्पनी कुछ क्षेत्रों में अपना निवेश जारी रखे हुए है,

(शेष पृष्ठ 5 पर)